

हि सत्या वरुणस्य राज्ञः AV. 1,10,1. श्रुयो वशस्य पर्येतास्ति RV. 6,24, 5. वशं देवासंस्तुतुर्वीरि नि मातृषुः 10,66,9. सर्वं तदिन्द्र ते वशे 8,82,4. 9, 86,28. VS. 4,11. 31,21. TS. 6,3,2,6. AIT. BR. 4,3. PRAÇNOP. 2,13. वशे बलवता धर्मः MBH. 12,4842. BHĀG. P. 1,6,7. 9,14. 3,29,44. 5,20,29. 6,3,1. 12,8. यथा तवेयं वसुधा वशे भवेत् R. 2,23,41. 3,83,18. RĀGA-TAR. 4,145. न पुत्रो भार्या वा वर्तते वशे Spr. 4417. R. 4,17,54. KATHĀS. 33,9. PAÑĀK. 3,11,10. वाल्ये पितुर्वशे तिष्ठेत् Spr. 1969. R. GORR. 2,53,10. KATHĀS. 120,30. BHĀG. P. 5,17,23. MĀRK. P. 62,31. वशे स्थापयितुं प्रजाः M. 7,44. तं च देशं वशे स्थापयामास MBH. 1,683. R. 3,47,8. 9. 4,32,19. 7,20,19. KĀM. NĪTIS. 8,83. BHĀG. P. 9,19,23. प्रमदाः कामिवशे संस्थिताः VARĀH. BRH. S. 24,31. विषयेषु च सञ्ज्ञत्यः संस्थाप्या आत्मनो वशे Spr. 3663. वशे लभ AV. 1,8,2. ÇAT. BR. 1,9,2,35. वशे कर् गृणा सान्नादादि P. 1,4,74. वज्रेणैवैनं वशं कृत्वा लभते TS. 6,3,2,5. वशे कृतेन्द्रियग्रामम् M. 2,100. तं वशे कुर्वति शत्रवः 8,174. R. 3,46,5. 53,7. 6,11,10. 7,87,4. Spr. 2737. BHĀG. P. 9,4,66. मम् वशेषु हृदयानि वः कृणोमि AV. 3,8,6. य इदं वशे (sonst वशम्) ऽनयत् BHĀG. P. 5,18,26. न मित्रं नयेत् वशम् (व-शम् als indecl. gṛa चादि zu P. 1,4,57) AV. 5,19,15. RV. 10,84,3. परराष्ट्रं वशं नयन् JĀG. 1,341. एतदात्मन्येव वशं नयेत् BHĀG. 6,26. KĀM. NĪTIS. 11,16. Spr. 251. RAGH. 8,19. RĀGA-TAR. 4,404. BHĀG. P. 3,27,5. 8,15,33. तानानयेद्वशम् M. 7,107. fg. 9,261. R. 3,62,34. BHĀG. P. 4,27,1. वशमुपनयते ÇAT. BR. 1,5,4,5. BHĀG. P. 5,2,6. येन वशं प्रणीताः 7,8,8. एवं मनः (acc.) कर्म (nom.) वशं प्रयुक्ते 5,5,6. नान्यस्य मनो वशमन्विषाय TBR. 3,12,3. वशमुपेताः ÇAT. BR. 4,3,4,12. ÇĀÑKH. BR. 30,9. AIT. BR. 8,9. यदा च गच्छन्पुनरात्मनरं वशं पदादेरुदयस्य RV. PRĀT. 11,26. कामबाणवशं गता MBH. 3,1865. 3,7237. R. 2,21,2. 30,19. 64,26. 78,4. 4,33,10. Spr. 331. BHĀG. P. 1,8,47. 6,1,61. निद्रावशमगमत् PAÑĀK. 38, 3. तयोर्न वशमागच्छेत् BHĀG. 3,34. MBH. 3,1851. R. 2,53,8. 97,22. यदा वशमुपागतः देशः JĀG. 1,342. निद्रावशमुपागताः R. 5,56,94. वशमेष्ट्यामः 2,52,18. MBH. 3,2395. VARĀH. BRH. S. 43,35. HIT. 1,32. निद्राया वशमे-पिवान् R. 2,62,20. वशमुपेति VARĀH. BRH. S. 43,11. समेति वशम् BRH. 17,4. को न याति वशम् Spr. 748. 1017. 2246. SUÇR. 1,158,5. VARĀH. BRH. S. 34,17. तिप्रं कोपस्य वशं प्रयाति 68,110. वासो यथा रङ्गवशं प्रयाति MBH. 3,1269. वशमायाति SUÇR. 1,149,14. राजसीनां वशं प्राप्ता R. 3,62, 37. Spr. 2736. VET. in LA. (III) 26,19. पुनः पुनर्वशमापद्यते मे KATHOP. 2,6. अनर्कवशमापना MBH. 1,6160. R. 1,42,13 (43,13 GORR.). 3,70,4. कामस्य वशमास्थितः 2,49,4. वशेन auf Geheiss, in Folge —, in Veran-lassung von, zufolge, gemäss, vermitteltst: हृद्दोग° ÇĀÑKH. ÇR. 10,8,33. स्तोम° LĀTJ. 8,5,12. कालादि° SUÇR. 1,131,9. भूमिरात्र° JĀG. 2,166. माहात्म्य° Spr. 3371. 3733. VARĀH. BRH. S. 2,4. तिग्मांशुसोनिध्य° GA- NIT. BHAGRAHJ. 13. SARVADARÇANAS. 26,21. 46,11. 93,4. 132,10. 134,20. वत्सरो गुरु° ein Jahr zufolge Jupiters d. i. ein Jupiter-Jahr VARĀH. BRH. S. 8,39. वशात् dass.: प्रकृतेः BHĀG. 9,8. Spr. 3246. तपसः BRAHMA-P. in LA. (III) 49,20. विधेः KATHĀS. 25,273. विधि° MRGH. 6. दैव° DHŪRTAS. 90,13. BHĀG. P. 3,28,37. PAÑĀK. 160,17. 174,25. Spr. 2418. अर्थ° RV. PRĀT. 12,9. SĀÑKHJAK. 63. Verz. d. Oxf. H. 48,6,13. प्रकृतिभेद° MAITRĀJUP. 6,30,35. अग्रपराध° JĀG. 1,366. कार्य° 2,3. R. 2,68,14. Spr. 2883. KAP. 1,30. SĀÑKHJAK. 67. RAGH. 11,7. 15,11. दान्तिय° VIKR. 2,56. Spr. 663. 688. 773. AK. 2,7,43. VARĀH. BRH. S. 5,9,11. 51,38. 104,40. GOLĀDHJ.

5,9. KATHĀS. 3,74. 21,82. 23,280. 21,22. 34,100. RĀGA-TAR. 1,371. DHŪRTAS. 68,13. 76,5. PAÑĀK. 32,24. 33,6. 148,10. 183,6. 232,14. 264, 23. ed. ORN. 4,25. HIT. 44,3. VET. in LA. (III) 11,2. Schol. zu NAISH. 22,45. SARVADARÇANAS. 29,18. 34,6. 86,17. 20,92,22. चन्द्रवशात् । प- च्चनवते दिनशते so v. a. in 193 lunaren Tagen VARĀH. BRH. S. 21,7. व- शतम् dass.: कर्म° Spr. 2083. घट° in Folge der geographischen Breite GOLĀDHJ. 7,34. वश am Ende eines adj. comp. (f. घा): काल° in der Ge- walt von — stehend MBH. 13,66. 1466. 16,111. प्रतिग्रहा दात्वशः R. 1,69,14. 3,61,4. 5,16,51. 7,24,11. निद्रा° RAGH. 5,67. Spr. 3197. 3347. सद्यः खेदवशो ऽभवत् KATHĀS. 8,17. 18,240. 23,294. BHĀG. P. 1,13,39. 2,7,39. 5,23,3. 8,7,15. VET. in LA. (III) 20,7. — c) die personifizierte Herrschaft: ईशा वशस्य या ज्ञाया AV. 11,8,17. — d) = जन्मन् Geburt, Ursprung H. an. — e) Hurenhaus (vgl. वेश) TRIK. — f) N. pr. eines Schützlings der Aṣvin, mit dem Bein. Aṣvja RV. 1,112,10. 116,21. 8,8,20. 46,21. 23. 10,40,7. VĀLAKH. 2,9. angeblicher Verfasser von RV. 8,46. abgekürzt so v. a. dessen Lied ÇAT. BR. 8,6,2,3. 9,3,3,19. ÇĀÑKH. ÇR. 18,14,1. RV. PRĀT. 17,18. — g) pl. N. pr. eines Volkes AIT. BR. 8, 14. MBH. 1,6684. वल्लन् st. वशान् ed. Bomb. — 2) adj. (f. घा) unter Jmdes Befehlen stehend, unterthan, abhängig TRIK. H. an. H. ç. 92. MED. सपु- राहं वशा तव KATHĀS. 81,102. BHĀG. P. 8,12,43. तासां वशश्च सततं स्त्रो- णाम् PAÑĀK. 1,10,25. 14,90. fgg. PAÑĀK. 208,13. — Vgl. श्र° (in der 2ten Bed. auch MAITRĀJUP. 6,30. BHĀG. 8,19. 9,8. R. GORR. 2,38,4. Spr. 251. 3036). आत्म°, कर्म°, क्रोध°, तद्वश, पर°, यथावशम्, विवश.

2. वैश n. flüssiges Fett: केवलीन्द्राय डुडुहे हि गृष्टिर्वशं पोष्यं प्रथमं डुहना AV. 8,9,24. पदशमस्रवत्सा वशाभवत्समात्सा हविरिव AIT. BR. 3,26. nach SĀJ. = मेदस्. KĀTH. 13,8. — Vgl. वसा.

वशंवद् (von 1. वश + वद्) adj. P. 3,2,38. VOP. 26,57. Jmdes Willen —, Herrschaft anerkennend: वशंवद् कर् Verz. d. Oxf. H. 238,6,21. महशंवद् 24. in Jmdes Gewalt stehend, ganz ergeben: मन्मथ° SĀH. D. 113. धर्म° RĀGA-TAR. 6,109. लोभ° 4,395. 621. कृतज्ञत्व° so v. a. dem Gefühl der Dankbarkeit folgend 1,243. Spr. 3797. गुरुर्षवशंवद्वदन so v. a. sich grosser Freude hingebend, solche an den Tag legend Gtr. 11,24. मृग- दसौरभरभसवशंवद्वदालमालतमाल so v. a. ganz duftend nach 1,29. वशंवद्व n. das Jemand-zu-Willen-Sein, das Sichfügen in den Willen Anderer RAGH. 18,12.

वशकर् adj. sich unterthan machend, für sich gewinnend MBH. 13, 1192. (विद्या) सभावशकर् Spr. 2797, v. 1.

वशका f. ein gehorsames Weib ÇABDAR. im ÇKDR.

वशकारक adj. zur Unterwerfung führend: भेद Spr. 1436.

वशक्रिया f. das sich-zu-Willen-Machen, Bezaubern AK. 3,3,4. H. 1498.

वशग adj. (f. घा) in Jmdes Gewalt stehend, unterthan, gehorsam: तव MBH. 4,225. 706. 14,2172. HARIV. 7796. R. 1,30,11. R. GORR. 1,31,14. 2,34,10. Spr. 2393. 2334. प्रमदानां वशगा नराः VARĀH. BRH. S. 24,32. धात्री वशगा करोति 43,32. KATHĀS. 33,9. PAÑĀK. 1,14,93. MĀRK. P. 61,56. मन्त्रम् MBH. 3,14687. कामस्य 4,391. विधेः Spr. 1431. मानव्याधेः 2834. काम° MBH. 4,269. R. 1,63,6. R. GORR. 2,31,10. VARĀH. BRH. 20, 9. ज्येष्ठ° R. 2,40,5. निद्रा° SUÇR. 1,69,14. कुवैद्य° 333,11. आश्वर्य° KA- THĀS. 22,233. मदनविग° 113. दैव° BHĀG. P. 3,28,38. 6,14,20. स्वकर्म°